Gyan Manthan
Journal homepage: www.gyanmanthan.org ISSN: **3108-3455**

इंदौर शहर के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता के विकास में मूल्य आधारित शिक्षा की भूमिका : एनईपी 2020 के संदर्भ में अध्ययन

Dr. Sarita Sharma[1] Ms. Bharti Mehta[2]
HOD,Education Department, Arihant College, Indore
M.Ed 2 sem student, Arihant College, Indore

Abstract

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) ने शिक्षा को केवल ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों के मानसिक, नैतिक एवं बौद्धिक विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया है। उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता एक सामान्य समस्या है, जो उनकी शैक्षणिक उपलब्धि एवं समस्या समाधान क्षमता को प्रभावित करती है। प्रस्तुत अध्ययन में इंदौर शहर के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता के विकास में मूल्य आधारित शिक्षा की भूमिका का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक शोध पद्धति का प्रयोग किया गया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं तार्किक चिंतन का विकास करती है, जिससे परीक्षा चिंता कम होती है तथा समस्या समाधान क्षमता में वृद्धि होती है।

Keywords:परीक्षा चिंता, समस्या समाधान क्षमता, मूल्य आधारित शिक्षा, एनईपी 2020

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का प्रमुख साधन है। आधुनिक शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिकता, तार्किक चिंतन, निर्णय क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने मूल्य आधारित शिक्षा तथा कौशल विकास पर विशेष बल दिया है।

समस्या समाधान क्षमता विद्यार्थियों की वह योग्यता है जिसके माध्यम से वे किसी समस्या को समझकर उसका उचित समाधान खोजते हैं। यह क्षमता विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास एवं शैक्षणिक सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। दूसरी ओर, परीक्षा चिंता विद्यार्थियों में तनाव, भय एवं असुरक्षा की भावना उत्पन्न करती है, जिससे उनका आत्मविश्वास एवं शैक्षणिक प्रदर्शन प्रभावित होता है।

उच्च माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण चरण होता है, जहाँ उन्हें भविष्य एवं करियर से संबंधित अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में

आत्म-नियंत्रण, सहानुभूति, सहयोग एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर परीक्षा चिंता को कम करने में सहायक हो सकती है।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

सिंह एवं इकबाल (2022) ने पाया कि जिज्ञासा एवं समस्या समाधान क्षमता में सकारात्मक संबंध होता है।

कौर एवं कौर (2024) के अनुसार उच्च समस्या समाधान क्षमता वाले विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि अधिक होती है।

पाटिल एवं ऐठाला (2017) ने अपने अध्ययन में बताया कि अधिकांश विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता पाई जाती है, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं प्रदर्शन को प्रभावित करती है।

कौशल एवं तिवारी (2021) ने परीक्षा चिंता को विद्यार्थियों के तनाव एवं आत्मविश्वास में कमी का प्रमुख कारण बताया।

इन अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं मानसिक विकास से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

अध्ययन का औचित्य

वर्तमान समय में विद्यार्थियों पर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा एवं परीक्षा का दबाव निरंतर बढ़ रहा है। परीक्षा चिंता विद्यार्थियों की सोचने, समझने एवं निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। दूसरी ओर, मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में नैतिकता, आत्मविश्वास एवं मानसिक संतुलन का विकास करती है
यद्यपि परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता पर अनेक अध्ययन उपलब्ध हैं, फिर भी इंदौर शहर के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के संदर्भ में मूल्य आधारित शिक्षा की भूमिका पर सीमित शोध उपलब्ध हैं। अतः यह अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं उपयोगी है।

समस्या कथन

इंदौर शहर के उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता के विकास में मूल्य आधारित शिक्षा की भूमिका : एनईपी 2020 के संदर्भ में अध्ययन

उद्देश्य

- विद्यार्थियों की समस्या समाधान क्षमता का अध्ययन करना।
- विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता के स्तर का अध्ययन करना।
- परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
- मूल्य आधारित शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

- छात्र एवं छात्राओं की समस्या समाधान क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
- छात्र एवं छात्राओं की परीक्षा चिंता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
- परीक्षा चिंता एवं समस्या समाधान क्षमता के मध्य कोई सह-संबंध नहीं होगा।

अनुसंधान पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक शोध अभिकल्प का प्रयोग किया गया। अध्ययन हेतु इंदौर शहर के विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों से लगभग 100-150 विद्यार्थियों का चयन किया गया।
अध्ययन में निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया–
समस्या समाधान समीक्षा परीक्षण – एल.एन. दुबे
परीक्षा चिंता मापनी – डॉ. सरिता डेहिया एवं रजनी डेहिया
डेटा विश्लेषण हेतु औसत, मानक विचलन एवं सह-संबंध तकनीकों का उपयोग किया गया।

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

निष्कर्ष

अध्ययन से ज्ञात हुआ कि मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच का विकास करती है। इससे परीक्षा चिंता में कमी आती है तथा समस्या समाधान क्षमता में वृद्धि होती है।
यह भी पाया गया कि जिन विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता अधिक थी, उनकी समस्या समाधान क्षमता अपेक्षाकृत कम थी। मूल्य आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को मानसिक रूप से संतुलित बनाकर उन्हें समस्याओं का तार्किक समाधान खोजने में सहायता प्रदान करती है।
एनईपी 2020 के अंतर्गत मूल्य आधारित शिक्षा एवं जीवन कौशल आधारित शिक्षण विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सुझाव

- विद्यालयों में मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए।
- विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
- शिक्षकों द्वारा सहयोगात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाए।
- अभिभावकों को विद्यार्थियों पर अत्यधिक दबाव न डालने हेतु जागरूक किया जाए।

संदर्भ सूची

- अग्रवाल, जे. सी. (2017). शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ।
- शर्मा, आर. एन. (2018). शैक्षिक मनोविज्ञान।
- गुप्ता, एस. पी. (2019). शिक्षा में सांख्यिकी और अनुसंधान विधियाँ।
- कौशल, आर., एवं तिवारी, एस. (2021). परीक्षाओं के दौरान स्कूली छात्रों में चिंता पर अध्ययन।
- रे, पी., एवं नेगी, एस. (2024). परीक्षा-संबंधी चिंता में लैंगिक अंतर।
- पाटिल, एस. जी., एवं ऐठाला, एम. (2017). भारतीय विद्यार्थियों में परीक्षा चिंता।

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL